विद्या भवन गोविंदराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय, उदयपुर

न्यूज़ लेटर

अगस्त, 2024

प्राचार्य की कलम से :

मोबाइल फोन आजकल अहम जरूरत है। यद्यपि इसने हमारे संपर्क सूत्रों को बढ़ाया है, तथापि संबंधों की प्रगाढ़ता में कमी भी की है। हमने अपना ज्यादातर वक्त मोबाइल या स्क्रीन पर बिताना शुरू कर दिया है। नेटबंदी हमें बेचैन करती हैं। बच्चे इसके एडिक्ट हो गए हैं। अभिभावक बच्चों को मोबाइल देकर बैठा देते हैं, ताकि वे उन्हें डिस्टर्ब ना करें। स्क्रीन के शौक ने हमारी शारीरिक गतिविधियों को सीमित करने के साथ दिमागी और सांवेगिक पहलुओं पर भी नकारात्मक प्रभाव डाला है। स्वीडन की एक शोध बताती है कि डिजिटल मीडिया के कारण बच्चों में एक विशेष प्रकार के ऑटिज्म की बीमारी शुरू हो गई है जिसमें बच्चे बड़ी उम्र तक बोलना नहीं सीख पा रहे हैं। एक शोध यह भी बताता है कि मोबाइल से लोगों में नींद में कमी हो रही है, जिससे उनका मेटाबॉलिज्म, पाचन तंत्र से संबंधित, शुगर लेवल, एकाग्रता में कमी, चिड़चिड़ापन और शारीरिक कमजोरी जैसी बीमारियां हो रही है। इन सभी से बचने के लिए हमें अपने मोबाइल फोन को उपयोग करने के नियम बनाने होंगे और उसकी अनुपालना की शुरुआत स्वयं से करनी होगी। सप्ताह में एक बार डिजिटल उपवास भी रख सकते हैं। इसके अतिरिक्त अपने स्क्रीन टाइम को कम करने और सोने से पहले फोन को अपने से दूर रखने जैसे कदम भी कारगर है। हमें अपने घर में ''नो फोन ज़ोन'' क्षेत्र बनाना होगा। अपने मोबाइल स्क्रीन ब्लू की जगह ग्रे लाइट करनी होगी, ताकि मोबाइल के प्रति आकर्षण कम हो सके। मोबाइल स्क्रीन को क्लीन और वेल ऑर्गेनाइज्ड करना होगा। उसमें ऐप जितने कम रखेंगे, उतने ही हमें नोटिफिकेशन कम मिलेंगे और हम कम डिस्टर्ब होंगे। हमें फोन को ट्रैक करना भी शुरू कर देना चाहिए, जिससे पता लगेगा कि हमने इस पर कब और किस तरह से समय व्यतीत किया है। इस प्रकार मोबाइल हमारी अनिवार्य आवश्यकता है, किंतु इसके अनुप्रयोग में विवेकशीलता की जरूरत है। मोबाईल का उपयोग जब जानकारियां जुटाने और सीखने के लिए करें तो इसकी सूची पहले से बना लें। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि बच्चे ज्यादातर समय खेल मैदान, पार्क, दोस्त एवं बाल साहित्य पढ़ने में बिताएं। –डॉ. फरज़ाना ईरफान

संपादन

सलाहकार– डॉ. जितेंद्र तायलिया, डॉ. अनुराग प्रियदर्शी

प्राचार्य– डॉ. फरज़ाना ईरफान

संपादक– डॉ. गिरीश शर्मा

प्रूफ रीडिंग– डॉ. जगदीश चंद्र आमेटा

ले–आउट, डिजाईनिंग– चिराग धुप्या

विद्या भवन गोविंदराम सेकसरिया शिक्षक महाविद्यालय,
डॉ. मोहनसिंह मेहता मार्ग, देवाली उदयपुर, राजस्थान

ई–मेल vbcteudr@gmail.com, 0294–2451814

Website-www.vidyabhawan.in

विशेष बी.एड. कार्यक्रम की तैयारी

दिनांक 1 अगस्त, 2024। महाविद्यालय द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बालकों के लिए बी.एड. कार्यक्रम प्रारंभ करने के लिए आरपीडब्ल्यूडी प्रमाण पत्र बनवाने के लिए फाईल तैयार कर समाज कल्याण विभाग में जमा करवाई गई है। महाविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ. अख्तर बानो के अनुसार फाईल जमा करवाने के कुछ समय बाद समाज कल्याण विभाग से संपर्क किया गया जिसमें उनके द्वारा कुछ दस्तावेज और मांगे गए। संबंधित दस्तावेजों को संलग्न कर फाईल विभाग में पुनः जमा करवाई गई है।

स्टाफ मिटिंग में हुए निर्णय

दिनांक 14 अगस्त, 2024। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. फरजाना ईरफान की अध्यक्षता में स्टाफ मिटिंग रखी गई। मिटिंग में आंतरिक मूल्यांकन समिति की ओर से विद्यार्थियों के आंतरिक अंकों का प्रस्तुतीकरण किया गया। इस मौके पर डिफॉल्टर विद्यार्थियों के लिए भी चर्चा की गई तथा ट्यूटोरियल इंचार्ज को फोन द्वारा विद्यार्थियों से संपर्क करने को कहा गया। मिटिंग में निर्णय किया गया कि बी.एड. द्वितीय वर्ष के इंटर्नशिप वायवा के लिए 6 विद्यार्थियों को ट्यूटोरियलवाईज सूचना दी जाएगी तथा दिनांक 23 अगस्त को डिफॉल्टर वायवा करवाया जाएगा। मिटिंग में यह भी निर्णय किया गया कि बी.एड. द्वितीय वर्ष के डिफॉल्टर सत्रीय कार्य 20 अगस्त तक जमा करवाए जा सकते हैं।

राज्य स्तरीय कार्यशाला में भागीदारी

दिनांक 8 अगस्त, 2024। महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. खीमाराम काक ने राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् में आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय शोध कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। राज्य के विभिन्न जिलों से आए विशेषज्ञों ने तीन दिन चर्चा कर शोध प्रस्ताव तैयार किए। स्कूल निदेशक, बीकानेर भी उपस्थित थे।

निर्णायक की भूमिका निभाई

दिनांक 14 अगस्त, 2024। महाविद्यालय की संगीत प्राध्यापिका कुमकुल सालवी ने गुरुनानक महाविद्यालय में आयोजित एसयूपीडब्ल्यू कैम्प में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने कैंप के दौरान आयोजित थाली सजावट, समूह नृत्य, एकल गीत, मेहंदी प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका भी निभाई। अतिथि उद्बोधन में उन्होंने विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाया।

कर्तव्यों का करना होगा निर्वहन

दिनांक 15 अगस्त, 2024। महाविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ध्वजारोहण विद्या भवन सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र तायलिया ने किया। अपने उद्बोधन में

उन्होंने कहा कि आजादी से लेकर अब तक हमारे देश ने बहुत प्रगति की है। इस प्रगति को और आगे ले जाने के लिए हमें सभी को समर्पित भाव से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना होगा। इस मौके पर विद्या भवन सोसायटी के उपाध्यक्ष हंसराज चौधरी भी उपस्थित थे।

उन्होंने अपने उद्‌बोधन में सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कर्तव्यों के प्रति सजगता का संदेश दिया। प्रारंभ में स्वागत उद्‌बोधन महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. फरजाना ईरफान ने दिया। उन्होंने विविधता में एकता को देश की ताकत बताते हुए राष्ट्रीयता की भावना के विकास पर बल दिया। कार्यक्रम में विद्या भवन सीनियर सेकण्डरी स्कूल एवं विद्या भवन पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने देश भक्ति गीत प्रस्तुत किए। महाविद्यालय स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे विद्यार्थियों को सम्मानित किया। अतिथियों ने संस्था में पौधरोपण भी किया। इस मौके पर विद्या भवन की सभी संस्थाओं के प्रमुख, अध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मालचंद काला ने किया तथा धन्यवाद डॉ. मनीषा शर्मा ने दिया।

बी.एन. भटनागर अवार्ड

15 अगस्त, 2024। स्वतंत्रता दिवस समारोह में महाविद्यालय की तीन छात्राओं को बी.एन. भटनागर अवार्ड दिया गया। समारोह में मनोज भटनागर एवं डॉ. अल्पा भटनागर ने बी.एड. सत्र 2021–2023 में महाविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर छात्राध्यापिका मोनिशा मोहन को रु. 3000 एवं प्रशस्ति पत्र, द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर करिश्मा सिंह शेखावत को रु. 2000 एवं प्रशस्ति पत्र तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने पर मोनिका भट्ट को रु. 1000 एवं प्रशस्ति प्रत्र देकर सम्मानित किया गया।

आईसीएसएसआर को शोध प्रोजेक्ट भेजा

17 अगस्त, 2024। आईसीएसएसआर द्वारा शोध प्रोजेक्ट 'विकसित भारत 2047' को लेकर प्रपोजल आमंत्रित किया गया था। इसके लिए प्राचार्य द्वारा अकादमिक समिति के साथ बैठक आयोजित कर समिति सदस्यों की सर्वसम्मति से शोध प्रोजेक्ट भेजने का निर्णय किया गया। इस संबंध में संकाय सदस्यों के साथ भी चर्चा की गई एवं टीम बनाई गई। शोध विषय का चुनाव करने हेतु टीम में विचार मंथन हुआ और अनुभाविक अधिगम विषय पर कार्य करना सुनिश्चित किया गया, जिस पर सभी को कार्य बांट दिया गया। इस संबंध में प्रो. हृदयकांत दीवान एवं प्रो. संजय लोढ़ा के साथ बैठक आयोजित कर पुनः विचार विमर्श हुआ और पूर्व निर्धारित विषय के स्थान पर जनजाति क्षेत्र के विद्यार्थियों पर कार्य करने का निर्णय किया गया। इस विषय पर लगातार हुई बैठक में यह तय किया गया कि यह कोलोब्रेटिव लोंगिट्यूडनल प्रोजेक्ट है इसमें दूसरी संस्था को भी शामिल करना होगा। अतः इसमें सेवा मंदिर को भी भागीदार बनाया जाना चाहिए। इसके पश्चात सेवा मंदिर के सदस्यों के साथ लगातार बैठक का आयोजन किया गया तथा इन बैठकों में शोध विषय के चयन को अंतिम रूप प्रदान किया गया जिसमें शोध विषय 'जनजातीय क्षेत्र में उच्च प्राथमिक स्तर पर शैक्षिक गुणवत्ता के संदर्भ में अभिधारकों की भूमिका एवं शैक्षिक हस्तक्षेप की प्रभावशीलता का अध्ययन' विषय पर महाविद्यालय एवं सेवा मंदिर की सहमति बनी। शोध विषय चयनित होने के पश्चात् शोध प्रपोजल बनाने की तैयारी का कार्य प्रारंभ हुआ जिसमें शोध विषय प्रारूप के विभिन्न आयामों पर महाविद्यालय द्वारा तथा कुछ पर सेवा मंदिर द्वारा कार्य पूर्ण किए गया। इस प्रक्रिया में लगातार सेवा मंदिर के साथ बैठक का आयोजन किया गया और अपने–अपने कार्यों को साझा किया गया। प्रत्येक बैठक में किए गए कार्यों पर विचार मंथन हुआ तत्पश्चात आवश्यक संशोधन करते हुए इसे अंतिम रूप प्रदान किया गया। प्रपोजल को तैयार करने में डेढ़ महीने का समय लगा। प्रपोजल को अंतिम रूप प्रदान करने में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ.फरजाना इरफान के साथ डॉ. अख्तर बानो तथा डॉ. संतोष उपाध्याय का विशेष योगदान रहा।

राष्ट्रीय कार्यशाला में भागीदारी

दिनांक 23 अगस्त, 2024। महाविद्यालय की रीडर डॉ. ज़ेहरा बानू ने क्षेत्रीय अध्ययन संस्थान, अजमेर में आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला (21 से 23 अगस्त 2024) में भाग लिया। कार्यशाला का शीर्षक 'पश्य एनएएस 2021 शिक्षार्थी के लिए सार्वभौमिक विकास हेतु शिक्षकों के लिए हस्तक्षेप–भारत के उत्तरी आकांक्षा क्षेत्र के लिए' था। कार्यशाला में चार उपकरणों की रचना की गई जिसमें शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों के गुणात्मक हस्तक्षेप को बढ़ाया जा सके और प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों के सार्वभौमिक अधिगम को प्राप्त करने में मदद दी जा सके। कार्यशाला राष्ट्रीय स्तर पर एनसीईआरटी द्वारा प्रायोजित थी, जिसमें उत्तर भारत के राज्यों के लिए शोध कार्य किया गया।

वार्षिक कलेंडर प्रस्तुतीकरण

दिनांक 24 अगस्त, 2024। महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. फरजाना ईरफान की अध्यक्षता में आयोजित स्टाफ बैठक में बी.एड. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के समन्वयकों ने वार्षिक कलेंडर प्रस्तुत किया। डॉ. अख्तर बानो ने बी.एड. प्रथम वर्ष एवं डॉ. खीमाराम काक ने बी.एड. द्वितीय वर्ष का वार्षिक कलेंडर प्रस्तुत किया। इस मौके पर संकाय सदस्यों के साथ चर्चा कर वार्षिक कलेंडर के संबंध में आवश्यक निर्णय लेकर उसे अंतिम रूप दिया गया।

इन्टर्नशिप मौखिक परीक्षा

दिनांक 27 अगस्त, 2024। महाविद्यालय के बी. एड़. द्वितीय वर्ष सत्र 2023–24 के छात्राध्यापकों द्वारा 16 सप्ताह की इन्टर्नशिप पूर्ण करने के पश्चात इन्टर्नशिप मौखिक परीक्षा ली गई। परीक्षा में 178 विद्यार्थी नामांकित थे, जिसमें से 174 विद्यार्थी उपस्थित रहे। मौखिक परीक्षा हेतु विद्यार्थियों के दो समूह बनाए गए। प्रथम समूह में 1 से 90 अनुक्रमांक तक और द्वितीय समूह में 91 से 178 अनुक्रमांक तक कुल 174 विद्यार्थी शामिल थे। दोनों समूह का मूल्यांकन विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित परीक्षकों द्वारा किया गया। सर्वप्रथम परीक्षकों द्वारा तैयार किए गए प्रश्न पत्र के आधार पर विद्यार्थियों का लिखित परीक्षण (टेस्ट) लिया गया। तत्पश्चात मौखिक परीक्षा हुई जिसमे समूह चर्चा, इन्टर्नशिप कार्यों का व्यक्तिगत प्रस्तुतीकरण, पी.पी.टी प्रस्तुतीकरण एवं रिकॉर्ड जांच की गई। परीक्षा के बाद पॉर्टल के माध्यम ऑनलाईन एवं हॉर्डकॉपी के रूप में विश्वविद्यालय को अंक प्रेषित किए गए।

रिफ्रेशर कोर्स में भागीदारी

दिनांक 28 अगस्त, 2024। मालवीय मिशन टीचर्स ट्रेनिंग सेंटर तथा महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणासी के संयुक्त तत्वावधान में 12 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स आयोजित हुआ। मल्टीडिसिप्लिनरी एज्यूकेशन विषयक इस रिफ्रेशर कोर्स में महाविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ. अख़्तर बानों एवं डॉ. नैना त्रिवेदी ने भाग लिया। कोर्स में प्रत्येक दिन 90 मिनट का एक सत्र एवं उसके बाद 30 मिनट चर्चा होती थी। कोर्स में कुल 48 सत्रों का आयोजन हुआ। यह कार्यक्रम ऑनलाईन था।

फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में भागीदारी

दिनांक 29 अगस्त, 2024। महाविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ. विद्या मेनारिया ने एनईपी–2020 पर आयोजित 7 दिवसीय फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में भाग लिया। यह प्रोग्राम मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र, केंद्रीय विश्वविद्यालय दक्षिणी बिहार की ओर से आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम ऑनलाईन था।

आंतरिक मूल्यांकन के अंक भेजे

दिनांक 29 अगस्त, 2024। महाविद्यालय में बी. एड. एवं एम.एड. दोनों ही कोर्स में ऐसी कई गतिविधियां होती हैं जिसके आंतरिक मूल्यांकन अंक विश्वविद्यालय को भेजे जाने होते हैं। जैसे–जैसे ये गतिविधियां संपन्न होती हैं, वैसे ही आंतरिक मूल्यांकन कमेटी के सदस्यों द्वारा इन अंकों को कंप्यूटर पर चढ़ाए जाते हैं। दिनांक 14 अगस्त को प्राचार्य की अध्यक्षता में हुई स्टाफ बैठक में इन अंकों का प्रस्तुतीकरण किया गया। प्राचार्य एवं संकाय सदस्यों के साथ चर्चा करने के बाद विद्यार्थियों की अंतिम अंक सूची विश्वविद्यालय के पोर्टल पर चढ़ा कर उसकी हार्ड कॉपी विश्वविद्यालय को भेज दी गई।

प्रवेश जारी

दिनांक 30 अगस्त, 2024। महाविद्यालय में बी. एड. प्रथम वर्ष की प्रक्रिया चल रही है। अभी तक तीन लिस्ट आ चुकी है, जिसमें 166 विद्यार्थियों ने महाविद्यालय में प्रवेश ले लिया है। 18 सितंबर से महाविद्यालय में शैक्षिक कार्य कक्षाएं प्रारंभ होंगी।